

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-IV

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्नलिखित कुण्डली का अध्ययन कर दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें :-  
जन्म 8 सितम्बर 1965, समय : 1.45 बजे, स्थान - नई दिल्ली  
लग्न-मिथुन 25:40, सूर्य-सिंह 21:36, चन्द्र-मकर 16:51, मंगल-तुला 18:30, बुध-सिंह 05:15, बृहस्पति-मिथुन 5:11, शुक्र-कन्या 29:35, शनि(व)-कुम्भ 20:22, राहु-वृषभ 15:31  
(क) उपरोक्त जन्मांग के जातक के लिए राहु महादशा में फलों का वर्णन करें।  
(ख) राहु में सूर्य की अंतर्दशा में जातक के व्यवसाय में होने वाले परिवर्तन का उल्लेख करें।
2. (क) निम्नलिखित कुण्डली के लिए योगिनी दशा तथा अंतर्दशा क्रम की गणना करें।  
जन्म 07 नवम्बर 1936, समय 14:00 बजे, स्थान-आगरा (यू.पी.)  
लग्न-कुम्भ 12:24, सूर्य-तुला 21:47, चन्द्र-सिंह 06:45, मंगल-कन्या 02:39, बुध-तुला 15:05, बृहस्पति-धनु 01:42, शुक्र-वृश्चिक 25:32, शनि(व)-कुम्भ 22:55, राहु-धनु 2:11  
विशोत्तरी दशा शेष - केतु 3 वर्ष, 4 माह, 26 दिन  
(ख) जातक एक दुर्घटना का शिकार हुआ और शिक्षा में रुकावट आई यह घटना शुक्र/शनि व शुक्र/बुध में हुई। इसका ज्योतिषिय विवेचना करें।
3. (क) घटनाक्रम के समय प्रत्यान्तर दशा स्वामी की भूमिका का वर्णन करें।  
(ख) जन्म कुण्डली में आप संतान उत्पत्ति के समय का निर्धारण कैसे करेंगे? एक उदाहरण के साथ व्याख्या करें।
4. शनि में शुक्र अंतर्दशा में जब वे एक दूसरे के केन्द्र में स्थापित होंगे। तो क्या फल होंगे?
5. किन्हीं दो के लिए समय का निर्धारण कैसे करेंगे?  
(क) निवास स्थान में परिवर्तन/स्वयं का आवास खरीदना  
(ख) शिक्षा/नौकरी के लिए विदेश प्रस्थान  
(ग) संतानोत्पत्ति

भाग-II (गोचर)

6. घटनाओं के समय का निर्धारण गोचर किस प्रकार सहायक है? गोचर परिणाम की रूपरेखा बनाते समय लग्न का क्या महत्त्व है?
7. वेध क्या है? किन स्थितियों में वेध होता है? फलित में इसकी महत्ता विस्तार से बतायें।
8. मई 2011 में बृहस्पति ने मेष राशि में प्रवेश किया, जब चंद्रमा पुनर्वसु के प्रथम चरण में गोचर कर रहा था। इस स्थिति में सभी बारह राशियों के लिए मूर्ति निर्णय ज्ञात करें।
9. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-  
(क) गोचर में कक्षा के नियम (ख) वक्री ग्रहों के फल  
(ग) द्विग्रह गोचर का विवाह में प्रयोग
10. शनि व बृहस्पति के उदाहरण सहित पर्याय फलों पर विस्तार से लिखें।